हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

Page No. 04 : Middle

वेंटिलेशन से आसान होती है देखभाल

- एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में हुई मैकेनिकल वेंटिलेशन वर्कशाप
- प्रतिभागियों ने वर्कशॉप में बीआईपीएपी व वेंटिलेटर पर अभ्यास किया

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को मैकेनिकल वेंटिलेशन वर्कशाप का आयोजन किया। वर्कशाप सह सीएमई का मुख्य उद्देश्य पीजी विद्यार्थियों को मैकेनिकल वेंटिलेटर संभालने के लिए प्रशिक्षित करना रहा।

वर्कशाप में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों (राजश्री मेडिकल कॉलेज और जीएमसी हल्द्वानी) के युवा बाल रोग विशेषज्ञ शामिल हुए। इस सीएमई सह कार्यशाला के संकायों में सैन्य अस्पताल देहरादून के बाल रोग विशेषज्ञ कर्नल डॉ. आशीष सिमलती, नियोनेटोलॉजिस्ट व कमांड अस्पताल लखनऊ के प्रोफेसर कर्नल डॉ. आशुतोष कुमार ने बच्चों के उपचार में वेंटिलेशन के इस्तेमाल, इसके विभिन्न तरीके और बच्चों और नवजात शिशुओं में उनकी दिक्कतों व उनके लक्षणों की जानकारी दी। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने बीआईपीएपी, एचएफएनसी और वेंटिलेटर पर अभ्यास किया। इससे पहले उद्घाटन समारोह में डीन पीजी और बाल रोग विभाग के प्रमुख डॉ. (ब्रिगेडियर) पीएल प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत किया। एसआरएमएस आईएमएस के निदेशक प्रशासक आदित्य मूर्ति और चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर कर्नल डॉ. आरपी सिंह, डॉ. अनिता कुमारी आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण inext

Page No. 04 : Middle

वेंटिलेशन से आसान होती है नवजात की देखभाल

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के बाल रोग विभाग ने एक सितंबर को मैकेनिकल वेंटिलेशन वर्कशाप का आयोजन किया. 'मूल से वर्तमान अभ्यास तक' विषय पर आयोजित इस वर्कशाप सह सीएमई का मुख्य उद्देश्य पीजी विद्यार्थियों को मैकेनिकल वेंटिलेटर संभालने के लिए प्रशिक्षित करना रहा. जिससे रोगियों को और ज्यादा फायदा मिले. उद्घाटन समारोह में डीन पीजी और बाल रोग विभाग के प्रमुख डॉ. (ब्रिगेडियर) पीएल प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत किया. आयोजन समिति के सक्रिय सदस्य एसआर डॉ.लहर सहाय, डॉ. अनिमेष और डॉ. प्रखर आदि रहे.